2238130

BSER N

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन मंगलवार

दिनांक 21, मार्च, 2023

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	3
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3		
18	3	79	उन्यासी

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 4 6 3 3 2

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में ''समाप्त'' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा ''अनुचित साधनों के प्रयोग'' के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

प्र. 1)

1. (अ) भय
2. (स) स्थायी
3. (अ) शोषण की प्रक्रिया
4. (अ) वणग्वृत्ति से
5. (द) छात्रसंघ की
6. (ब) बचपन
7. (अ) भार
8. (अ) पवित्र
9. (स) बचपन
10. (द) कुटिया
11. (अ) हिरोशिमा के परमाणु विस्फोट का
12. (ब) माता का आँचल

12

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र. 2)	
	1.	भाववाचक
	2.	निजवाचक सर्वनाम
	3.	अकर्मक
6	4.	दो (अनिश्चय, निश्चय)
	5.	चार
	6.	कृत
	प्र. 3)	
12	1.	जब अ/आ का मेल इ, ई, उ, ऊ, ऋ से होता है, तो उसे यण स्वर सन्धि कहते हैं। उदाहरण⇒रम+ईश = रमेश।
	2.	वह समास जिसमें पहला पद संख्यावाची हो उसे द्विगु समास कहते हैं। जैसे- पंचवटी= पाँच वाटिकाओं का समूह। और वह समास जिसमें दोनों पदों की प्रधानता हो, उन्हें द्वन्द्व समास कहते हैं। जैसे - माता-पिता= माता और पिता।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	3.	'कीचड़ उछालना' मुहावरे का अर्थ है, "अपमान करना"।
1	4.	निम्न लोकोक्ति का अर्थ है कि अगर कोई एक इन्सान कुछ करे तो उसकी कॉपी करना।
1	5.	'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक यह दर्शाना चाहता है कि साधु बनने के लिए उनकी जैसी वेशभूषा पहनने की ज़रूरत नहीं है बल्कि साधु तो उनके व्यवहार, प्रेम, भक्ति के लिए जाने जाते है।
1	6.	नवाब साहब ने खीरे की सब फाँको को खिड़की से बाहर फेंककर, तौलिए से हाथ और होंठ पोंछकर, वे अपनी दिखावटी शान, नवाबी नफ़ाज़त और नज़ाकत के भाव को दर्शाया है।
1	7.	'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' संस्मरण फादर कामिल बुल्के के संबंध में है।
1	8.	'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्नू भण्डारी पर उनके पिता, हिन्दी विभाग की अध्यक्ष शीला अग्रवाल का प्रभाव अधिक उभर कर आया है।
1	9.	गोपियों ने 'हारिल की लकरी' श्री कृष्ण को कहा है।
1	10.	'मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद' मे यह बताया गया है कि चाँदनी रात किसी मोती की ज्योति के समान चमक रही हो। और वह बहुत सुंदर लग रही है।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

11. उपर्युक्त वाक्य दुलारी ने टुन्नू से कहा था।

12. लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने अचानक एक झरने को देखा और वह झरना इतना सुंदर और मनमोहक था कि लेखिका उसे देखने में लीन हो गई।

खण्ड–ब

प्र.4) ⇒ मूर्ति बनाने का काम कस्बे के एकलौते हाई स्कूल के एकलौते ड्राइंग मास्टर मोतीलाल को दिया था। और मास्टर ने एक महीने में मूर्ति बनाकर देने का वादा कर दिया और नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाना भूल गया। कैप्टन एक देशभक्त था और वह समझता था की नेताजी की मूर्ति पर चश्मा ना लगाना मतलब उनका अपमान उनका अपमान करना है, इसलिए वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था।

प्र.5) ⇒ बालगोबिन भगत ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वे अपनी पतोहु का भला चाहते थे। उन्हें अपनी पतोहु से सेवा करवाने का कोई मोह नहीं था। वे तो अपनी पतोहु की भलाई चाहते थे। और तो और उन्होंने अपने बेटे की चिता को अग्नि भी अपनी पतोहु के हाथों दिलवाई। अतः वे अपनी पतोहु की भलाई चाहते थे, इसलिए

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उन्होंने ऐसा कहा।

प्र. 6) ⇒ लेखक के गाड़ी में बैठने पर नवाब साहब को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा क्योंकि खीरे जैसे अपदार्थ वस्तु को खाते हुए देखे जाने के कारण उन्हें शर्म सी आने लगी, इसलिए उन्होंने लेखक से आँखे फेर ली। फिर नवाब साहब अपनी नवाबी शान, लखनवी नफाज़त और नज़ाकत को दर्शाने के लिए खीरे को अच्छी तरह से साफ करकर उसे काटकर सजा दिया और फिर सिर्फ सूंघकर उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया। अतः वे अपनी नवाबी शान को दर्शा रहे थे।

2

प्र. 7) ⇒ फादर कामिल बुल्के बेल्जियम के निवासी थे परंतु इंजीनियरींग के आखिरी वर्ष उन्होंने सन्यास लेकर भारत आने का फैसला किया। फादर बुल्के के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ हैं कि:-

(i) वे पूरी तरह से ममता एवं आत्मीयता से भरे हुए हैं और लेखक कहता है कि उनको याद करना एक शांत संगीत को सुनने जैसा है।

(ii) वे हमेशा एक पुरोहित और बड़े भाई की तरह हमे यानी लेखक को सीख देते हैं। और वे देवदार के वृक्ष की छाया के समान हैं।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 8)

⇒ गोपियों को उद्धव का संदेश पसंद नहीं आया क्योंकि वे तो सिर्फ प्रेम का मार्ग जानती थी और श्री कृष्ण से एकनिष्ठ होकर प्रेम करती थी। और इसलिए उन्होंने कहाँ की श्री कृष्ण ने खुद न आकर योग संदेश भेज दिया, यह तो उन्होंने मर्यादापूर्ण कार्य नहीं किया है। अतः वे श्री कृष्ण की प्रतीक्षा कर रही थी।

2

प्र. 9)

⇒ लक्ष्मण के वचनों से बढ़े हुए परशुराम जी के क्रोध को श्री राम ने अपने विनय और कोमल वचनों से शान्त किया। लक्ष्मण के व्यंग्य पूर्ण वाक्यों को सुनकर परशुराम जी अत्यधीक क्रोधित हो उठे। परन्तु श्री राम ने हमारे अपने कोमल वचनों से उनका क्रोध शांत किया।

2

प्र. 10)

⇒ 'संगतकार' कविता संगतकार के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है। क्योंकि संगतकार योग्य होने के बावजूद अपने गुरु का सम्मान या मुख्य गायक का सम्मान बढ़ाने के लिए अपनी आवाज़ को दबाए रखता है। वह कभी भी अपनी आवाज़ मुख्य गायक से ऊंची नहीं होने देता।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 11) ⇒ कवि ऋतुराज अपनी कविता 'कन्यादान' के माध्यम से यह बताया है कि बेटि अभी भी छोटी थी और उसे सिर्फ सुख का आभास था और दुख को वो नहीं पहचानती थी। उसे लगता था कि ससुराल में सब कुछ अच्छा होगा परंतु वह ससुराल के कठोर रिती रिवाज़ो से अपरिचित थी।

2

प्र. 12) ⇒ 'कवी-लोंग स्टॉक' जगह का गंतोक में बहुत महत्व है, यहाँ पर गाइड फिल्म की शूटिंग हुई थी। और यह लेपचा और भुटिया कि सन्धी का स्थान भी है। यह जगह बहुत प्रसिद्ध है और स्वच्छ भी। यहाँ का दृश्य मोहक है, मनभावन है। यह बहुत सुंदर जगह है।

2

प्र. 13) ⇒ मुर्तिकार को पैसो की आवश्यकता थी तो इसलिए उसने सरकारी शासको को बातो मे घुमा-फिरा कर ज़्यादा पैसे वसूल कर लिए। आखिर में जार्ज पंचम की नाक का हल निकाला गया जो था, असली नाक। जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर असली नाक लगाई गई।

2

प्र. 14) ⇒ 'माता का अँचल' पाठ का शीर्षक बिल्कुल सार्थक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

है, इस पाठ में माता की ममता, पिता का दुलार, ग्रामीण खेल के बारे में बताया है परन्तु यहाँ माता की ममता को ज़्यादा महत्तता दी गई है। अतः 'माता का अँचल' शीर्षक बील्कुल सार्थक है।

(2)

प्र. 15)

⇒ जन्म ⇒ कवि सूरदास का जन्म 1478 में माना जाता है।

⇒ जन्मस्थान ⇒ एक मान्यता के अनुसार उनका जन्म मथुरा के पास रुनकता या रेणुका क्षेत्र है। और दूसरी मान्यता के अनुसार दिल्ली के पास सीही में।

⇒ गुरु ⇒ महर्षि वल्लभाचार्य के शिष्य सूरदास अष्टछाप के कवियों में प्रसिद्ध थे।

⇒ निवासस्थान ⇒ वे मथुरा और वृंदावन के बीच में गऊघाट पर रहते थे।

⇒ निधन ⇒ उनका निधन 1583 में हुआ।

⇒ कृतियाँ ⇒ सूरसारावली, सूरसागर, साहित्य लहरी आदि।

(2)

प्र. 16)

⇒ जन्म ⇒ लेखिका मन्नू भण्डारी का जन्म 1931 में हुआ।

⇒ जन्मस्थान ⇒ उनका जन्म मध्यप्रदेश के भानपुरा जीले में हुआ।

⇒ निवासस्थान ⇒ लेखिका राजस्थान के अजमेर शहर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में रहती थी। और शिक्षा सावित्री गर्ल्स कॉलेज, अजमेर।

⇒ निधन ⇒ लेखिका का निधन हाल ही में 2021 को हुआ।

(2)

BSEB-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

प्र. 17) → प्रसंग - निम्न गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक के आखिरी पाठ 'संस्कृति' से लिया गया है। हमारी पाठ्यपुस्तक का नाम क्षितिज भाग-2 है। यह पाठ भदंत आनंद कौसल्यायन के द्वारा लिखा गया है। इसमें संस्कृति और अपसंस्कृति के बारे में बताया है।

→ व्याख्या - उपर्युक्त गद्यांश में लेखक कह रहे हैं कि, संस्कृति शब्द के कूड़े-करकट के समान अनेकों अर्थ हैं। परंतु वह संस्कृति का असली मतलब नहीं है। इस संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। सब कुछ समय के साथ बदलता है। मानव ने जब-जब प्रज्ञा-मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की ज़रूरत है। मानव संस्कृति का अर्थ है खोज करना और वह खोज कल्याणकारी या अकल्याणकारी हो सकती है। वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

→ विशेष - उपर्युक्त गद्यांश में ~~कवि~~ लेखक संस्कृति के कल्याण और अकल्याणकारी खोज के बारे में बताते हैं। उनके हिसाब से यह उनकी अभिन्न संस्कृति का सही मतलब यही है।

3

प्र. 18) → प्रसंग - यह पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक क्षितिज के भाग दो के तीसरे पाठ कवित्त और सवैया से

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लिया गया है। यह पाठ महाकवि देव के द्वारा लिखा गया है। इसमे वसन्त को कामदेवता का पुत्र मानकर प्रकृति का मनोहारी वर्णन किया गया है।

⇒ व्याख्या - उपर्युक्त पद्यांश मे कवि देव प्रकृति की तारीफ करते हुए और वसन्त ऋतु को एक बालक मानते हुए कहते है कि पेड़ की डाल उस बालक का बिछौना है और उस बालक ने फुलो से निर्मित झिंगुला पहना है। हवा उसे झूला रही है। तोता और मोर उससे बाते कर रहे है। और कोयल उसे ताली दे देकर प्रसन्न कर रही है। और कमल की कली रूपी नायिका साड़ी पहने उस बालक की पराग रूपी राई नोन से नजर उतार रही है। और वह बालक काम देवता का पुत्र है। और सुबह-सुबह गुलाब की कलिया उसे चुटकियाँ बजाकर उठा रही है। यह सब बहुत मनमोहक लग रहा है।

(3)

⇒ काव्य सौंदर्य ⇒ यहाँ पर वसन्त का बालक रूप में मनोहारी वर्णन है।

- हलावे -हुलसावे में अनुप्रास अलंकार है।
- केकी - कीर में भी अनुप्रास अलंकार है।
- भाषा सहज और सरल है।

प्र. 19)

⇒ लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने स्त्रीशिक्षा के मत में कई तर्क दीए। उन्होंने कहा कि प्राकृत बोलने से स्त्रियाँ अनपढ़ नही हो जाती। पहले प्राकृत आम-बोलचाल की भाषा थी। बौद्ध धर्म में भी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्राकृत भाषा में प्रवचन दिए जाते थे। गार्गी जैसी स्त्रियों ने अपने शास्त्रार्थ से बड़े-बड़े ज्ञानीयो को हरा दिया था। और रुकमणी ने श्री कृष्ण को पत्र लिखा था। इन सबसे यह साबित होता है कि पहले के ज़माने मे भी स्त्रियाँ पढ़ी लिखि होती थी। अतः इस तरह द्विवेदी जी ने स्त्रीशिक्षा के महत्व को सिद्ध किया। क्योंकि स्त्रीयों के पढ़ने से पूरा समाज शिक्षित होगा।

3

प्र. 20) ⇒ 'आत्मकथ्य' कविता में जयशंकर प्रसाद कहते है कि हमें हमारे दुख भरे क्षणों से दुखी नहीं होना चाहिए जीवन का यथार्थ दुख से भर रखा है। हमे हमारे दुख या परेशानी का डटकर सामना करना चाहिए। और इसमे कवि यह भी कहते है कि लोग तो आते जाते रहते है। केवल उनकी यादे रही जाती है। तो हमे उन्हें याद करकर दुखी नहीं होना चाहिए। बहुत लोग आते जाते रहते है। यह तो सारा जीवन ही लगा रहेगा परंतु हमें कभी भी उदास नहीं होना चाहिए। कवि कहता है कि जीवन में केवल ही नहीं है बल्कि खुशिया भी है। और हमें हमारे दुखो को भुलकर हमारी खुशियो के साथ या खुशियो भरी यादो के साथ खुशी से जीना चाहिए। क्योंकि एक बार यह जीवन खत्म हो गया तो हमे कुछ भी नहीं मिलेगा हम इसी अफसोस में मर जाएगे की पुरी जीन्दगी दुख में बीता दी। अतः हमें खुश रहना चाहिए।

3

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रः 21)

स्वस्थ जीवन सुख का आधार

(i) स्वास्थ्य का अर्थ - स्वास्थ्य का अर्थ है कि हम शारीरीक रूप से, सामाजिक रूप से, मानसीक रूप से स्वस्थ हो। बिना स्वास्थ्य जीवन का कोई मोल नहीं है। जो स्वस्थ है वही खुश है फिर चाहे उसके पास पैसे हो या नहीं। स्वास्थ्य ही सब कुछ है। स्वास्थ्य के बिना हम कुछ भी नहीं है। अगर हम स्वस्थ नहीं है तो हमारे पास पैसे हो तो भी हम खुश नहीं रह सकते।

स्वस्थ जीवन......सुखी मन।

(ii) स्वास्थ्य पर आधारित भोजन - हमे वो भोजन करना चाहिए जिसमे सभी प्रकार के प्रोटीन, पोषण हो। और राजस्थानी खाना दाल, रोटी हमारे स्वास्थ के लिए बहुत अच्छे है। अगर हम हमेशा बाहर का खाना, तली हुई चीज़े खाएगे तो हम कभी स्वस्थ नहीं रह सकते है। हमे दाल, रोटी जैसा खाना रोज़ खाना चाहिए। अगर हम रोज़ ऐसा खाना खाएगे तो हम हमेशा स्वस्थ रहेंगे और कभी रोग से ग्रस्त नहीं होंगे।

(iii) स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण - रोज तला हुआ खाना खाना तो आजकल के बच्चो की आदत बन गई है। वे महीने मे कितनी बार ऐसा खाना खाते है। उन्हें अपने स्वास्थ्य की कोई चिंता नहीं है। वे ना किसी की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बात मानते हैं। बच्चे ही नहीं बल्कि, युवा, वृद्ध, आदि सब आजकल तले हुए खाने के शौकीन है। ऐसी चीज़ो को खाने से हमारा स्वास्थ्य कमज़ोर हो सकता है। और स्वास्थ्य तो जीवन है। उसके बिना कुछ भी नही है। स्वास्थ्य कमज़ोर होने के और भी कारण हो सकते हैं। जैसे कम खेल कूद, तला हुआ खाना आदि। हमें इन सब से बचकर हमारे स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए।

(iv) स्वास्थ्य सुधार के उपाय – स्वास्थ्य सुधारने के लिए कई उपाए है। हमें हमारे स्वास्थ्य को सुधारने के लिए कसरत करनी चाहिए, योग करना चाहिए। इनके अलावा भी स्वास्थ्य सुधार के कई उपाय है। हमे हमारा स्वास्थय सुधारने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी। बिना स्वास्थय के हम कभी भी खुश नहीं रह सकते थे। हमें हमारे स्वास्थ्य को सुधारने के लिए हरी सब्जियां खानी चाहिए। पौष्टिक खाना खाना चाहिए, कसरत करनी चाहिए, योग करना चाहिए, आदि। इनके अलावा भी स्वास्थय को सुधारने के कई उपाय है। जिन्हें करने से हम स्वस्थ और रोगमुक्त हो सकते है।

(v) उपसंहार – अतः हमे हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करनी चाहिए। उसके लिए कई उपाय है, जो हमे प्रति दीन अपनाने चाहिए। अतः अथवा हमे हमारे खाने का भी ख्याल रखना चाहिए। अगर हम पौष्टिक भोजन करे तो स्वस्थ रहेंगे।

स्वस्थ तन....

सुखी जीवन.....

5

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र. 22)

प्रार्थना-पत्र

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
विशालपुर।

विषय - खेल सामग्री मँगवाने हेतु

महोदय,

मैं, नरेन्द्र आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ। हमारी क्लास बोर्ड की है, इसलिए हमारी कक्षा में खेल का सिर्फ एक ही पीरीयड आता है, परंतु उसमें भी खेलने के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता है क्योंकि पहले की खेल सामग्री पुरानी और कमजोर है। जिससे कभी-कबार हमें चोट भी लग जाती है।

अतः मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप नयी खेल सामग्री जल्द से जल्द हमें लाकर देंगे।

धन्यवाद

दिनांक - 21 मार्च 2023

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नरेन्द्र

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	प्र. 23)	आइए 10% की छूट आइए

आइए | 10% की छूट | आइए

दिव्यांग बच्चो द्वारा
बनाइ गइ मिट्टी की मूर्तियों

को 10% की छूट में ले जाइए।
अगर मौका नीकल गया तो हाथ मलते रह जाओगे।

स्थान – मेला ग्राउंड, पुष्कर।
समय – प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक।
दिनांक – 21 मार्च 2023 से 25 मार्च 2023

पधारिएगा ज़रूर मो. – 9482399242

— समाप्त —

BSER-168/2021

(79) उत्तम

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021